दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 03 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 275

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के अंडरब्रिज को ब्लास्ट कर उड़ाया

आरोपियों पर रासुका के तहत कार्यवाई

मंदसौर (आरएनएस)। बड़ी खबर मध्य प्रदेश से है। यहां महत्वाकांक्षी परियोजना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के अंडरब्रिज को डिटोनेटर से ब्लास्ट कर उड़ाने का मामला सामने आया है। ये अंडरब्रिज मंदसौर जिले शामगढ़ इलाके में बनाया गया था। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर रासुका के तहत कार्यवाई की है।

पुलिस ने बताया कि मामला मंदसौर जिले के शामगढ़ के ग्राम बनी का है। यहां से गुजर रहे भारतमाला परियोजना के तहत निर्मित महत्वाकांक्षी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे को विस्फोटक से क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। मामले में दो आरोपियों सुल्तान सिंह व रमेशचन्द्र ओढ पर रासुका की कार्यवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि जीआर इन्फ्राप्रोजेक्ट लिमिटेड के सीनियर हाईवे इंजीनियर नेमीचन्द्र सिंघाडिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि गांव बनी के पास निकल रहे दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे (8-लेन) पर बने अंडर ब्रिज (बॉक्स कल्वर्ट 515 / 1 आर) को विस्फोटक के माध्यम से विस्फोट कर सुल्तान सिंह ने क्षतिग्रस्त कर दिया है।

पुलिस ने आरोपी पर धारा 427 भादवि 3/4 लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया। विवेचना में पाया कि सुल्तान सिंह के साथी आरोपी रमेशचन्द्र ओढ जिसके पास उच्च विस्फोटक पदार्थ जिलेटिन को विस्फोट करने की मशीन (एयर क्रम्प्रेशर) है और किसी प्रकार का कोई लायसेन्स व वैध दस्तावेज नहीं है। दोनों आरोपियों ने देश की महत्वाकांक्षी परियोजना दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे (8-लेन) को विस्फोट कर क्षतिग्रस्त किया और राष्ट्र की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया है। यदि समय पर जानकारी नहीं मिलती और एक्सप्रेस वे आवागमन के लिए प्रारम्भ हो जाता तो अत्यधिक जान व माल का नुकसान होता। गंभीर अपराध पर दोनो को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध एनएसए की कार्यवाई की है।

फिर भड़की हिंसा

मणिपुर के बिष्णुपर में कुकी विद्रोहियों ने की फायरिंग, तीन लोगों की मौत

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। रुक-रुक कर हिंसा भडक रही है। इस बीच, एक बार फिर बीती रात बिष्णुपुर जिले में फायरिंग में तीन मैतेई वॉलंटियर की मौत की खबर है। यह घटना बिष्णुपुर जिले के खुम्बी थाना अंतर्गत लीगंगताबी पुलिस आउट पोस्ट के पास, लिंगंगताबी आवासीय विद्यालय में हुई।

सूत्रों के मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार देर रात करीब 12.30 बजे उत्तर पश्चिम दिशा से गोलीबारी की आवाज सुनी गई। इसके बाद रात करीब 02:20 बजे, डंपी हिल क्षेत्र से अज्ञात हथियारबंद बदमाशों, संदिग्ध कुकी विद्रोहियों ने वहां तैनात वीडीएफ/पुलिस कमांडो की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। वीडीएफ/पुलिस कमांडो ने इसका जवाब दिया। रात भर वीडीएफ/पुलिस कमांडो और संदिग्ध कुकी उपद्रिवियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी चलती रही।

जानकारी के मुताबिक इस दौरान मैतेई वॉलंटियर जो खोइनुमंतबी चिंगथक में बंकर में पोजिशन ले रहे थे, उन्हें कुकी उपद्रवियों से गोलीबारी का सामना करना पड़ा। गोलीबारी की घटना के बाद तीन मैतेई वॉलंटियर खोइजुमंतबी चिंगथक बंकर में मृत पाए गए। मृतकों की पहचान निंगोमबम इबोमचा (34) लीकाई के इबोटोन, हाओबाम इबोचा (41) चिंग्या और नाओरेम राकेश (26) चिंग्या के रूप में हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल स्थिति पूरी तरह काबू में है। सेना, पुलिस और सुरक्षबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

आईआईटी समेत अन्य शिक्षण संस्थानों में खुल सकते हैं अमेरिकी विश्वविद्यालयों के कैंपस

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका के कई प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जल्द ही भारत में अपना कैंपस खोल सकते है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारत और अमेरिकी शिक्षण संस्थानों के बीच रिसर्च और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में साझेदारी को लेकर सहमति बनी है। अमेरिका भारत के आईआईटी संस्थानों समेत कुछ अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में अपने कैंपस खोलने की योजना बना रहा है।

पीएम मोदी सात को वाराणसी को 28 परियोजनाओं की देंगे सौगात

वाराणसी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात जुलाई से अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 28 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक, प्रधानमंत्री करीब 18 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें सुल्तानपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का कौशल और तकनीकी सहायता केंद्र (सीएसटीसी) शामिल है। 305 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 10 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया जाएगा। इनमें मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट का सौंदर्यीकरण शामिल है। तीन रेलवे ओवरब्रिज का भी शिलान्यास किया जाएगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 10 मंजिला अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास जनता को समर्पित करेंगे। गंगा पर जल परिवहन को गति देने के लिए, अस्सी घाट, शिवाला घाट, केदार घाट, पंचगंगा घाट और राज घाट पर काम शुरू करने की नींव रखने का भी प्रस्ताव है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मानसून सत्र के लिए 20 जुलाई से राज्यसभा की बुलाई बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के मानसून सत्र के लिए 20 जुलाई से राज्य सभा की बैठक बुलाई है। राज्यसभा सचिवालय ने रविवार को जारी वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रपति ने आगामी मानसून सत्र के लिए राज्यसभा की बैठक 20 जुलाई से आहूत की है। वक्तव्य में कहा है गया है कि निर्धारित विधायी कामकाज को देखते हुए मानसून सत्र 11 अगस्त को संपन्न होगा। सत्र के दौरान कुल 17 बैठकें होंगी। उल्लेखनीय है कि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा था कि मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगा।

स्वर्ण मंदिर के लंगर की सूखी रोटियों का घपला, 2 सेवादार मुअत्तल

अमृतसर (आरएनएस)। दरबार साहिब के लंगर में सूखी रोटियां, जूठ व चोकर, चावल के सामान में हुआ घोटाला 1 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। 1 अप्रैल 2019 से दिसंबर 2022 के बीच हुई नीलामी एवं बिक्री में धांधली सामने आने के बाद एसजीपीसी ने एक्शन लेते हुए दो सेवादारों को मुअत्तल करके पैसे जमा करवाने के लिए कहा है। एसजीपीसी सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि 2019 में लगर गुरु रामदास जी में हुए प्रबंधकीय अनियमितताओं के सच्चाई पारदर्शी ढंग से संगत के सामने रखी जाएगी। इसकी जांच चल रही है जो भी अनियमितताएं चल रही हैं उसके खिलाफ बनती कार्रवाई की जाएगी। किसी भी किस्म की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

मिशन गगनयान - क्रू मॉड्यूल रिकवरी गोताखोरों के पहले बैच का प्रशिक्षण पूरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच ने कोच्चि में भारतीय नौसेना की जल जीवन रक्षा प्रशिक्षण सुविधा (डब्ल्यूएसटीएफ) में प्रशिक्षण का चरण-1 पूरा किया। अत्याधुनिक सुविधा का उपयोग करते हुए, भारतीय नौसेना के गोताखोरों और समुद्री कमांडो की टीम ने विभिन्न समुद्री परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल का पुनर्प्राप्ति प्रशिक्षण लिया। दो सप्ताह के प्रशिक्षण कैप्सूल में मिशन के संचालन, चिकित्सा अत्यावश्यकताओं के दौरान की जाने वाली कार्रवाइयों और विभिन्न विमानों और उनके बचाव उपकरणों से परिचित होने के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण ने भारतीय नौसेना और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई एसओपी को भी मान्य किया।

पीएफआई मामले में पटना से दरभंगा तक एनआईए की छापेमारी, एक संदिग्ध हिरासत में

पटना (आरएनएस)। बिहार में पटना के फुलवारीशरीफ और दरभंगा में एनआइए द्वारा छापेमारी की सूचना सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार पीएफआइ के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इस छापेमारी में आतंकवाद निरोधी दस्ता भी शामिल है। दरभंगा में बहेरा थाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, पीएफआई के फुलवारीशरीफ मामले में ये कार्रवाई की गयी है। रविवार सुबह अचानक एनआइए और बिहार एटीएस की टीम ने मिलकर छापेमारी शुरू की। बताया जा रहा है कि दरभंगा में बहेरा थाना क्षेत्र में कार्रवाई की जा रही है जबकि

पटना में फुलवारीशरीफ में रेड मारी गई। पटना में इमारत-ए-शरिया के पास एक किताब की दुकान में छापेमारी की जा रही है। उस किताब के दुकानदार रियाजुद्दीन कासमी हैं। बताया जा रहा है कि इसमें कई भाषाओं की धार्मिक किताबें खरीदी और बेची जाती है। एनआईए को आशंका है कि यहां से धार्मिक उन्माद फैलाने की गतिविधियां संचालित होती है। हालांकि, जानकारी के मुताबिक अभी तक कुछ भी आपत्तिजनक बरामद नहीं किया जा सका है।

स्थानीय लोगों से बातचीत में पता चला है कि आज सुबह से ही रेड किया जा रहा है। एनआईए की टीम रात 2:00 बजे ही पहुंच गई थी। रियाजुद्दीन अंसारी के घर पर भी छानबीन की गई है। पटना के फुलवारीशरीफ इलाके में ही पीएफआई के ट्रेनिंग सेंटर का खुलासा हुआ था जिसमें संदिग्धों की गिरफ्तारी भी हुई थी।

मंत्री जॉन बारला की पायलट वैन को लॉरी ने मारी टक्कर, चार पुलिसकर्मी घायल

कोलकाता (आरएनएस)। केन्द्र की मोदी सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉन बारला की पायलट वैन भीषण हादसे का शिकार हो गई है। खबर के अनुसार केंद्रीय मंत्री हादसे के दौरान मौजूद नहीं थे। लेकिन मंत्री के चार सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गये हैं।घटना धुपगुड़ी ब्लॉक के ठाकुरपाठ इलाके में एशियन हाईवे पर घटी। खबरों में बताया गया है कि मंत्री बारला पंचायत चुनाव के प्रचार के लिए जा रहे थे कि हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस की पायलट वैन तेज गति से जा रही थी कि तभी ओवरटेक करने के दौरान पायलट वैन की एक लॉरी से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतना जबरदस्त था की पायलट वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि उस समय जॉन बारला उस गाड़ी में नहीं थे। हादसे में पुलिस की गाड़ी पलट गई। सूचना मिलने पर धूपगुड़ी दमकल मौके पर पहुंची और घायलों को बचाकर धूपगुड़ी ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद धूपगुड़ी

थाने की पुलिस और ट्रैफिक ओसी दुर्घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री जॉन बारला को जलपाईगुड़ी से बानरहाट लक्ष्मीपाड़ा चाय बागान लाने के क्रम में एएसआई परितोष बर्मन समेत कुल 4 पुलिसकर्मी दुर्घटना का शिकार हो गये। घायलों में पायलट अधिकारी एएसआई पारितोष बर्मन के साथ-साथ ड्राइवर, कांस्टेबल और होम गार्ड भी शामिल हैं। घायलों को गंभीर चोट होने के कारण धुपगुड़ी अस्पताल से जलपाईगुड़ी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया। धुपगुड़ी थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक,पुलिस की पायलट वैन केंद्रीय मंत्री जॉन बारला को लाने जा रही थी।

2009 दंगा मामला : मप्र कांग्रेस विधायक व 3 अन्य को एक साल की जेल

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल की एक एमपी-एमएलए अदालत ने शनिवार को मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी को दंगा करने और सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डालने के करीब डेढ़ दशक पुराने मामले में एक साल कैद की सजा सुनाई। इसी मामले में पटवारी के अलावा पूर्व कांग्रेस विधायक कृष्णमोहन मालवीय समेत तीन अन्य को भी एक साल कैद की सजा सुनाई गई थी। पटवारी सहित प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

अदालत ने मामले में 13 अन्य आरोपियों को भी नोटिस जारी किया, जो शनिवार को सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं थे।

2009 में मध्य प्रदेश कांग्रेस ने राजगढ़ जिले में बिजली बिल में बढ़ोतरी सहित किसानों के मुद्दे पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई।

मारपीट के दौरान हुए पथराव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह भी घायल हो गए।

पुलिस ने तब 17 लोगों को गिरफ्तार किया था, उनमें से ज्यादातर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता थे और उन पर आईपीसी की धारा – 148, 294, 353, 332, 336, 506 (2), 427 और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 के तहत मामला दर्ज किया गया था .

अदालत में मौजूद इंदौर की राऊ विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक ने कहा, मैं हाथ जोडकर अदालत के फैसले का सम्मान करता हूं। लेकिन, मैं मध्य प्रदेश के किसानों के हित के लिए लड़ता रहूंगा। मैं फैसले को ल्द ही उच्च न्यायालय में चुनौती दूंगा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने पटवारी और अन्य को अपना समर्थन देते हुए कहा है कि पार्टी कार्यकर्ता लोगों के हितों के लिए लड़ने से कभी पीछे नहीं हटेंगे, चाहे उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई की जाए।

मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमल नाथ ने एक बयान में कहा, हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं, लेकिन इससे असहमत हैं। हम इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि समाज के वंचितों के लिए आंदोलन करना एक नेता का पहला कर्तव्य है। यह संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। यह हर कांग्रेस कार्यकर्ता ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से सीखा है।पूर्व कांग्रेस पार्टी जीतू पटवारी के साथ है।

पहले दिन 7,900 भक्तों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर (आरएनएस)। जय बाबा बर्फानी और बम-बम भोले के जयघोष के बीच अमरनाथ की पवित्र गुफा में तकरीबन 7,900 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बता दें कि बाबा के दरबार में भक्तों के जोश से पूरा माहौल शिवमय बना रहा।

शनिवार तड़के बालटाल और पहलगाम रूट से पवित्र गुफा के लिए 5,600 श्रद्धालुओं को रवाना किया गया था। बाकी श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे। यात्रा मार्ग के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल निगरानी कर रहे हैं। इस बार यात्रा 62 दिन की होगी जो 31 अगस्त को समाप्त होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरनाथ यात्रा को देश की विरासत का दिव्य और भव्य स्वरूप बताते हुए कहा, मेरी कामना है कि बाबा बर्फानी के आशीर्वाद से सभी श्रद्धालुओं के जीवन में नए उत्साह एवं नई ऊर्जा का संचार हो, साथ ही अमृतकाल में हमारा देश संकल्प से सिद्धि की ओर तेजी से आगे बढ़े। जय बाबा बर्फानी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अमरनाथ यात्रियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा सनातन संस्कृति की अटूट परंपरा व मान्यताओं का प्रतीक है।

आधार शिविर संगम के पास हादसे के शिकार हुए एक यात्री की सैन्य जवानों जान बचाई है। जैसे ही वह गुफा की ओर रवाना हुआ था गिर गया।?उसे जवानों ने निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

छह जुलाई को 88 साल के होने जा रहे दलाई लामा, रोजाना ट्रेडमिल पर लगाते हैं दौड़

धर्मशाला (आरएनएस)। वह 88 साल के हो गए हैं। ट्रेडमिल पर पसीना बहाते हैं और बीबीसी सुनकर समाचारों के प्रति अपनी भूख मिटाते हैं। वह दलाई लामा हैं, जो 6 जुलाई को अपना 88वां जन्मदिन मनाएंगे। उनके सहयोगियों का कहना है कि वह शाकाहारी हैं, गर्म दलिया खाते हैं और ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं या नियमित रूप से टहलते हैं।

परम पावन, जो उनके अनुयायियों द्वारा दिया गया सम्मान है, अपने दिन की शुरुआत सुबह तीन बजे प्रार्थना और ध्यान के साथ करते हैं।

उसके बाद, वह फिट रहने के लिए अपने आधिकारिक महल में सुबह थोड़ी देर टहलते हैं या ट्रेडमिल पर चलना पसंद करते हैं।

और वह गर्म दलिया, त्सम्पा (जौ

पाउडर) और चाय के साथ रोटी खाते हैं।

कोई टेक्स्टिंग नहीं, कोई टेलीविजन नहीं और कोई संगीत नहीं। बौद्ध भिक्षु, जिन्हें 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, नाश्ते के दौरान नियमित रूप से अपने रेडियो को अंग्रेजी में बीबीसी वर्ल्ड न्यूज पर ट्यून करते हैं।

सहयोगियों का कहना है कि प्रात: 6 बजे से 9 बजे तक परमपावन अपना प्रात:कालीन ध्यान और प्रार्थना जारी रखते हैं।

सुबह 9 बजे के बाद वह आमतौर पर विभिन्न बौद्ध ग्रंथों और महान बौद्ध गुरुओं द्वारा लिखी गई टिप्पणियों का अध्ययन करने में समय बिताते हैं। दोपहर का भोजन 11.30 बजे से परोसा जाता है।

परम पावन दोपहर 12.30 बजे से अपने कार्यालय आते हैं। दोपहर बाद करीब 3.30 बजे तक कार्यालय में कई दर्शकों के साथ एक साक्षात्कार निर्धारित रहता है।

अपने निवास पर लौटने पर, परमपावन शाम लगभग 5 बजे चाय पीते हैं। इसके बाद उनकी शाम की प्रार्थना और ध्यान होता है। वह शाम को करीब 7 बजे खाली हो जाते हैं।

सीधे शब्दों में कहें तो, दलाई लामा का मानना है कि हमारा जीवन आशा पर आधारित है – चीजों को अच्छी तरह से बदलने की इच्छा।

हमारा जीवन आशा पर निर्भर है। यदि आपके पास आशा है, तो आप अपने सामने आने वाली समस्याओं को दूर करने में सक्षम होंगे। लेकिन यदि आप आशाहीन है, तो आपकी कठिनाइयां बढ़ जाएंगी। आशा करुणा और प्रेमपूर्ण दयालुता से जुड़ी है। दलाई लामा को अक्सर यह कहते हुए उद्धृत किया जाता है, 'मैंने अपने जीवन में सभी प्रकार की कठिनाइयों का सामना किया है, लेकिन मैंने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी।'

उनका कहना है, इसके अलावा, सच्चा और ईमानदार होना आशा और आत्मविश्वास का आधार है। सच्चा और ईमानदार होना झूठी आशा का प्रतिकार है। सच्चाई और ईमानदारी पर आधारित आशा मजबूत और शक्तिशाली होती है।

विश्वभ्रमण करने वाले बौद्ध भिक्षु, जो अपने ट्रेडमार्क मैरून वस्त्र पहनने के लिए जाने जाते हैं, का कहना है कि उनकी आजीवन प्रतिबद्धताओं में से एक शिक्षा के माध्यम से और धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के साथ आधुनिक भारत में प्राचीन भारतीय ज्ञान को पेश करना और पुनर्जीवित करना है।

बौद्ध विद्वान, जो अपनी सादगी और विशिष्ट आनंदमय शैली के लिए जाने जाते हैं और जिनके लिए महात्मा गांधी अपने अहिंसा के विचार के लिए 20वीं सदी के सबसे प्रभावशाली नेता हैं, धार्मिक नेताओं के साथ बैठकों में भाग लेना पसंद करते हैं, और छात्रों और व्यापारियों को नैतिकता पर व्याख्यान देते हैं।

1959 में, कब्जा तिब्बत पर कब्जा करने वाले चीनी सैनिकों ने ल्हासा में तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह को दबा दिया और दलाई लामा और 80 हजार से अधिक तिब्बतियों को भारत और पड़ोसी देशों में निर्वासन के लिए मजबूर कर दिया।

उनका मानना है कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास अपने प्राचीन ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने की क्षमता है। वहीं, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता का कहना है कि वह खुद को भारत का बेटा मानते हैं।

दलाई लामा को अक्सर यह कहते हुए उद्धृत किया जाता है, मेरे दिमाग के सभी कणों में नालंदा के विचार शामिल हैं। और यह भारतीय दाल और चपाती है, जिसने इस शरीर का निर्माण किया है। मैं मानसिक और शारीरिक रूप से भारत का पुत्र हूं।